22. दो स्वरों के योग से बनने वाला शब्द किस सन्धि के अन्तर्गत आता है?
(a) यण् सन्धि (b) व्यंजन सन्धि
(c) विसर्ग सन्धि (d) स्वर सन्धि

23. निम्न में से कौन स्वर सन्धि का भेद नहीं है?
(a) विसर्ग सन्धि (b) दीर्घ सन्धि
(c) यण् सन्धि (d) गुण सन्धि

24. किस सन्धि में स्वरों का परिवर्तन य्, र्, ल्, व् में होता है?
(a) अयादि सन्धि (b) वृद्धि सन्धि
(c) गुण सन्धि (d) यण् सन्धि

25. सजातीय लघु तथा दीर्घ स्वरों का मिलकर दीर्घ होने का लक्षण किस सन्धि में होता है?
(a) दीर्घ सन्धि (b) वृद्धि सन्धि
(c) गुण सन्धि (d) अयादि सन्धि

26. विसर्ग सन्धि में किसका मेल होता है?
(a) विसर्ग के साथ विसर्ग
(b) बिसर्ग के साथ स्वर या व्यंजन
(c) विसर्ग और स्वर
(d) विसर्ग और व्यंजन

27. निम्न में से कौन-सा सन्धि-विच्छेद 'व्यंजन सन्धि' में नहीं आता?
(a) उत् + अय (b) किम् + चित
(c) जगत् + नाथ (d) पौ + अन

28. 'प्रत्येक' में कौन-सी सन्धि है?
(a) यण् सन्धि (b) गुण सन्धि
(c) वृद्धि सन्धि (d) अयादि सन्धि

29. निम्न में से किस में व्यंजन सन्धि नहीं है?
(a) दिग्गज (b) निर्विकार
(c) अहंकार (d) संसार

30. निम्न में से कौन विसर्ग सन्धि नहीं है?
(a) निः + कपट
(b) पदः + उन्नति
(c) सरः + ज
(d) निः + उपाय

31. 'पवन' का सही सन्धि-विच्छेद क्या है?
(a) पव + अन् (b) पव + न्
(c) पः + अवन (d) पो + अन

32. इत्यादि का सही सन्धि-विच्छेद क्या है?
(a) इति + यादि (b) इति + आदि
(c) इत्य + आदि (d) इती + आदि

33. 'यशोगान' का सही सन्धि-विच्छेद क्या है?
(a) यशः + गान (b) यशो + गान
(c) यशः + उगान (d) यशो + उगान

34. 'यशोदा' का सही सन्धि-विच्छेद क्या है?
(a) यश + उदा (b) यशः + दा
(c) यश + ओदा (d) यः + अशोदा

35. निम्न में से किस शब्द में विसर्ग सन्धि नहीं है?
(a) निश्चय (b) निष्ठुर
(c) नितान्त (d) निश्छल

36. 'महोदय' का उचित सन्धि-विच्छेद है
(a) महा + ऊदय (b) महा + उदय
(c) महो + दय (d) महा + ओदय

37. 'महौषधम' में कौन-सी सन्धि है?
(a) दीर्घ सन्धि (b) वृद्धि सन्धि
(c) गुण सन्धि (d) अयादि सन्धि

38. 'निश्छल' में कौन-सी सन्धि है?
(a) विसर्ग सन्धि (b) यण् सन्धि
(c) दीर्घ सन्धि (d) गुण सन्धि

39. 'विपज्जाल' शब्द का सन्धि-विच्छेद है
(a) विपः + जाल (b) विपत् + जाल
(c) विपस + जाल (d) विपद् + जाल

40. 'कपीश' में कौन-सी सन्धि है?
(a) दीर्घ सन्धि (b) वृद्धि सन्धि
(c) गुण सन्धि (d) यण् सन्धि

41. निम्न में से 'नयन' का सही सन्धि-विच्छेद क्या है?
(a) न + अयन (b) नः + अयन
(c) ने + अन (d) नय + अयन

उत्तरमाला

1.	(b)	**2.**	(c)	**3.**	(a)	**4.**	(c)	**5.**	(d)	**6.**	(c)	**7.**	(a)	**8.**	(a)	**9.**	(a)	**10.**	(b)
11.	(b)	**12.**	(c)	**13.**	(a)	**14.**	(b)	**15.**	(a)	**16.**	(b)	**17.**	(b)	**18.**	(b)	**19.**	(c)	**20.**	(b)
21.	(b)	**22.**	(d)	**23.**	(a)	**24.**	(d)	**25.**	(a)	**26.**	(b)	**27.**	(d)	**28.**	(a)	**29.**	(b)	**30.**	(b)
31.	(d)	**32.**	(b)	**33.**	(a)	**34.**	(b)	**35.**	(c)	**36.**	(b)	**37.**	(b)	**38.**	(a)	**39.**	(b)	**40.**	(a)
41.	(c)																		

अध्याय 7

समास

समास का अर्थ 'संक्षिप्त' होता है। कम-से-कम शब्दों में अधिक-से-अधिक अर्थ प्रकट करना 'समास' का लक्ष्य होता है। वस्तुतः दो या दो से अधिक शब्दों का परस्पर सम्बन्ध बताने वाले शब्दों अथवा प्रत्ययों का लोप होने पर जो नया शब्द बनता है, उसे **सामासिक शब्द** अथवा **सामासिक पद** कहते हैं।

दो या दो से अधिक शब्दों अथवा पदों के संयोग को **समास** कहा जाता है। 'सामासिक शब्द' अथवा 'पद' को अर्थ के अनुकूल विभाजित करना 'विग्रह' कहलाता है।

सामान्यतया समास के चार भेद होते हैं

1. अव्ययीभाव समास

जिस सामासिक पद का पूर्वपद प्रधान हो तथा सामासिक पद अव्यय हो, उसे अव्ययीभाव कहते हैं। इस समास में सम्पूर्ण पद क्रिया-विशेषण अव्यय हो जाता है; जैसे—प्रतिदिन, यथासम्भव, आमरण इत्यादि।

उदाहरण

पद	विग्रह	पद	विग्रह
अनुकूल	मन के अनुसार	यथास्थान	स्थान के अनुसार
अनुरूप	रूप के अनुसार	यथासमय	समय के अनुसार
अभ्यागत	अभि आगत	यथाशीघ्र	शीघ्रता से
आजन्म	जन्म से लेकर	यथाक्रम	क्रम के अनुसार
आमरण	मृत्यु तक	अकारण	बिना कारण के
आपादमस्तक	सिर से पैर तक	अभूतपूर्व	जो पहले नहीं हुआ
प्रतिपल	हर पल	निर्विकार	बिना विकार के
प्रतिदिन	हर दिन	निर्विवाद	बिना विवाद के
भरपेट	पेट भर	निर्भय	बिना भय के

2. तत्पुरुष समास

तत्पुरुष समास का अन्तिम पद प्रधान होता है। ऐसे समास में प्राय: प्रथम पद विशेषण तथा द्वितीय पद विशेष्य होता है। द्वितीय पद के विशेष्य होने के कारण समास में इसकी प्रधानता होती है।

ऐसे समास तीन प्रकार के हैं—तत्पुरुष, कर्मधारय तथा द्विगु। तत्पुरुष के छ: भेद हैं। *ये हैं*—कर्म, करण, सम्प्रदान, अपादान, सम्बन्ध तथा अधिकरण तत्पुरुष समास। कर्मधारय तथा द्विगु तत्पुरूष के भेद हैं।

कर्म तत्पुरुष के उदाहरण

पद	विग्रह	पद	विग्रह
कठफोड़वा	काठ को फोड़ने वाला	यशप्राप्त	यश को प्राप्त
कुम्भकार	कुम्भ को बनाने वाला	गिरिधर	गिरि को धारण करने वाला
गृहागत	गृह को आगत	मनोहर	मन को हरने वाला
शत्रुघ्न	शत्रु को मारने वाला	सर्वभक्षी	सबको भक्षण करने वाला
माखनचोर	माखन को चुराने वाला	मुँहतोड़	मुँह को तोड़ने वाला

करण तत्पुरुष के उदाहरण

पद	विग्रह	पद	विग्रह
अकालपीड़ित	अकाल से पीड़ित	करुणापूर्ण	करुणा से पूर्ण
अन्धकारयुक्त	अन्धकार से युक्त	जलाभिषेक	जल से अभिषेक
कर्मवीर	कर्म से वीर	तुलसीकृत	तुलसी द्वारा रचित
गुणयुक्त	गुण से युक्त	पर्णकुटीर	पर्ण से बनी कुटीर
रक्तरंजित	रक्त से रंजित	रेखांकित	रेखा से अंकित
रोगग्रस्त	रोग से ग्रस्त	क्षुधातुर	क्षुधा से आतुर

सम्प्रदान तत्पुरुष के उदाहरण

पद	विग्रह	पद	विग्रह
देशभक्ति	देश के लिए भक्ति	युद्धभूमि	युद्ध के लिए भूमि
देवालय	देव के लिए आलय	विधानसभा	विधान के लिए सभा
धर्मशाला	धर्म के लिए शाला	स्नानघर	स्नान के लिए घर
पुस्तकालय	पुस्तक के लिए आलय	विद्यालय	विद्या के लिए आलय
भिक्षाटन	भिक्षा के लिए भ्रमण	राहखर्च	राह के लिए खर्च
सत्याग्रह	सत्य के लिए आग्रह	रसोईघर	रसोई के लिए घर

अपादान तत्पुरुष के उदाहरण

पद	विग्रह	पद	विग्रह
अन्नहीन	अन्न से हीन	कर्त्तव्यच्युत	कर्त्तव्य से च्युत
कर्महीन	कर्म से हीन	भयभीत	भय से डरा हुआ
जातिभ्रष्ट	जाति से भ्रष्ट	वनरहित	वन से रहित
जन्मान्ध	जन्म से अन्धा	स्वादरहित	स्वाद से रहित
नेत्रहीन	नेत्र से हीन	फलहीन	फल से हीन

सम्बन्ध तत्पुरुष के उदाहरण

पद	विग्रह	पद	विग्रह
विद्याभ्यास	विद्या का अभ्यास	छात्रावास	छात्र का आवास
सेनापति	सेना का पति	गंगाजल	गंगा का जल
आनन्दाश्रम	आनन्द का आश्रम	जलयान	जल का यान
कार्यकर्ता	कार्य का कर्ता	गोपाल	गौ का पालक
चरित्रहनन	चरित्र का हनन	कन्यादान	कन्या का दान

अधिकरण तत्पुरुष के उदाहरण

पद	विग्रह	पद	विग्रह
गृहप्रवेश	गृह में प्रवेश	कविश्रेष्ठ	कवियों में श्रेष्ठ
आत्मनिर्भर	आत्म पर निर्भर	कृषिप्रधान	कृषि में प्रधान
युधिष्ठिर	युद्ध में स्थिर	रणधीर	रण में धीर
पुरुषोत्तम	पुरुषों में उत्तम	शरणागत	शरण में आगत
क्षणभंगुर	क्षण में भंगुर	कलाप्रवीण	कला में प्रवीण

तत्पुरुष समास के दो उपभेद हैं–

कर्मधारय समास

जिस तत्पुरुष समास के समस्त पद समान रूप से प्रधान हों तथा विशेष्य-विशेषण या उपमेय-उपमान के भाव को प्राप्त होते हैं तथा जिनके लिंग, वचन भी समान हों, वहाँ कर्मधारय समास होता है।

कर्मधारय समास चार प्रकार के होते हैं–

1. विशेषण पूर्वपद,
2. विशेष्य पूर्वपद,
3. विशेषणोभय पद
4. विशेष्योभय पद।

उदाहरण

पद	विग्रह	पद	विग्रह
नीलकमल	नीला कमल	महाकाव्य	महान् काव्य
महात्मा	महान् आत्मा	श्यामसुन्दर	श्याम जो सुन्दर है
महावीर	महान् वीर	चन्द्रवदन	चन्द्र के समान मुख
नरसिंह	नर में सिंह के समान	विद्यारत्न	विद्या ही है रत्न
चरणकमल	चरण कमल के समान	दुर्जन	दुष्ट जो है जन

द्विगु समास

जिस समास का पहला पद संख्याबोधक हो, वह द्विगु समास कहलाता है। द्विगु समास दो प्रकार के होते हैं—1. समाहार द्विगु 2. उपपद प्रधान द्विगु।

उदाहरण

पद	विग्रह	पद	विग्रह
त्रिभुवन	तीन भुवनों का समाहार	चतुर्वेद	चार वेदों का समाहार
नवग्रह	नौ ग्रहों का समाहार	पंचमुख	पाँच मुखों का समाहार
चौराहा	चार राहों का समाहार	तिमाही	तीन माहों का समाहार
त्रिनेत्र	तीन नेत्रों का समाहार	त्रिकाल	तीन कालों का समाहार
अष्टधातु	आठ धातुओं का समाहार	पंचमेवा	पाँच फलों का समाहार

3. बहुव्रीहि समास

जहाँ दोनों पदों को छोड़कर अन्य पद की प्रधानता हो, वहाँ बहुव्रीहि समास होता है। **उदाहरण**

पद	विग्रह
चतुरानन	चार हैं आनन जिसके अर्थात् ब्रह्मा
लम्बोदर	लम्बा है उदर जिसका अर्थात् गणेश
वीणापाणि	वीणा है कर में जिसके अर्थात् सरस्वती
नीलाम्बर	नीला है जिसका अम्बर अर्थात् श्रीकृष्ण

4. द्वन्द्व समास

द्वन्द्व समास में सभी पद प्रधान होते हैं। इस समास के दोनों पदों के बीच में योजक चिह्न लगा होता है; जैसे—और, या, अथवा आदि। द्वन्द्व समास के तीन भेद होते हैं—1. इतरेत्तर द्वन्द्व 2. समाहार द्वन्द्व 3. वैकल्पिक द्वन्द्व।

उदाहरण

पद	विग्रह
अन्न-जल	अन्न और जल
आग-पानी	आग और पानी
मार-पीट	मार या पीट
धन-दौलत	धन, दौलत आदि
पाप-पुण्य	पाप या पुण्य इत्यादि।

✓ अभ्यास के लिए प्रश्न

1. 'यथाशक्ति' में कौन-सा समास है?
(a) कर्मधारय (b) तत्पुरुष
(c) द्वन्द्व (d) अव्ययीभाव

2. 'त्रिभुज' शब्द में कौन-सा समास है?
(a) षष्ठी तत्पुरुष (b) द्विगु
(c) मध्यम पद लोपी (d) अलुक

3. 'देशभक्त' में कौन-सा समास है?
(a) षष्ठी तत्पुरुष (b) द्वन्द्व
(c) बहुव्रीहि (d) अव्ययीभाव

4. 'चतुर्भुज' शब्द में कौन-सा समास है?
(a) द्विगु (b) अव्ययीभाव
(c) बहुव्रीहि (d) तत्पुरुष

5. 'दही-बड़ा' शब्द में कौन-सा समास है?
(a) सप्तमी तत्पुरुष (b) द्विगु
(c) मध्यम पद लोपी (d) अलुक

6. 'आजकल' शब्द में कौन-सा समास है?
(a) अव्ययीभाव (b) तत्पुरुष
(c) कर्मधारय (d) द्वन्द्व

7. 'पंचपात्र' शब्द में कौन-सा समास है?
(a) कर्मधारय (b) बहुव्रीहि
(c) द्विगु (d) तत्पुरुष

8. 'शोकाकुल' शब्द में कौन-सा समास है?
(a) कर्मधारय (b) तत्पुरुष
(c) द्वन्द्व (d) द्विगु

9. 'नीलगाय' में कौन-सा समास है?
(a) तत्पुरुष (b) अव्ययीभाव
(c) कर्मधारय (d) द्वन्द्व

10. 'रोगपीड़ित' में कौन-सा समास है?
(a) कर्मधारय (b) तत्पुरुष
(c) द्वन्द्व (d) अव्ययीभाव

11. 'पंचानन' में कौन-सा समास है?
(a) द्विगु (b) बहुव्रीहि
(c) कर्मधारय (d) अव्ययीभाव

12. 'रसोईघर' में कौन-सा समास है?
(a) तत्पुरुष (b) बहुव्रीहि
(c) द्वन्द्व (d) कर्मधारय

13. 'लोकनायक' में कौन-सा समास है?
(a) तत्पुरुष (b) द्विगु
(c) द्वन्द्व (d) अव्ययीभाव

14. 'लौहपुरुष' में कौन-सा समास है?
(a) कर्मधारय (b) तत्पुरुष
(c) द्वन्द्व (d) द्विगु

15. 'मुँहतोड़' में कौन-सा समास है?
(a) तत्पुरुष (b) अव्ययीभाव
(c) द्विगु (d) द्वन्द्व

16. 'नीलकण्ठ' में कौन-सा समास है?
(a) तत्पुरुष (b) बहुव्रीहि
(c) द्विगु (d) द्वन्द्व

17. 'मृगनयन' में कौन-सा समास है?
(a) कर्मधारय (b) द्विगु
(c) द्वन्द्व (d) तत्पुरुष

18. 'कृषि प्रधान' में कौन-सा समास है?
(a) तत्पुरुष (b) द्विगु
(c) द्वन्द्व (d) कर्मधारय

19. 'दूध-रोटी' में कौन-सा समास है?
(a) तत्पुरुष
(b) द्वन्द्व
(c) द्विगु
(d) कर्मधारय

20. 'भूदान' में कौन-सा समास है?
(a) अव्ययीभाव
(b) तत्पुरुष
(c) कर्मधारय
(d) द्विगु

21. 'देशसेवा' में कौन-सा समास है?
(a) कर्मधारय (b) द्विगु
(c) तत्पुरुष (d) बहुव्रीहि

22. 'दिनकर' में कौन-सा समास है?
(a) तत्पुरुष (b) द्विगु
(c) द्वन्द्व (d) कर्मधारय

23. 'शरणागत' में कौन-सा समास है?
(a) कर्मधारय (b) तत्पुरुष
(c) बहुव्रीहि (d) द्विगु

24. 'अजातशत्रु' में कौन-सा समास है?
(a) तत्पुरुष (b) द्वन्द्व
(c) कर्मधारय (d) बहुव्रीहि

25. 'पंजाब' में कौन-सा समास है?
(a) बहुव्रीहि (b) कर्मधारय
(c) तत्पुरुष (d) द्विगु

26. 'श्रमसाध्य' में कौन-सा समास है?
(a) तत्पुरुष (b) बहुव्रीहि
(c) द्विगु (d) द्वन्द्व

27. 'मातृभाषा' में कौन-सा समास है?
(a) द्विगु (b) द्वन्द्व
(c) तत्पुरुष (d) कर्मधारय

28. निम्नलिखित में से कौन अव्ययीभाव समास का उदाहरण नहीं है?
(a) यथाशक्ति
(b) बेमतलब
(c) प्रतिवर्ष
(d) लोकप्रिय

29. निम्न शब्दों में कौन कर्मधारय समास का उदाहरण है?
(a) यथोचित (b) पर्णकुटीर
(c) दोपहर (d) विद्यालय

30. निम्न शब्दों में कौन द्विगु समास का उदाहरण है?
(a) सतसई (b) हानि-लाभ
(c) दीनानाथ (d) लौहपुरुष

31. निम्न में कौन द्विगु समास नहीं है?
(a) नवरात्र
(b) नवग्रह
(c) चतुर्भुज
(d) त्रिलोक

32. निम्न में कौन द्वन्द्व समास का उदाहरण नहीं है?
(a) पाप-पुण्य (b) देश-विदेश
(c) धर्म-भ्रष्ट (d) राग-द्वेष

33. निम्न में से कौन कर्मधारय समास का उदाहरण नहीं है?
(a) नीलकमल (b) नीलगाय
(c) महावीर (d) पीताम्बर

34. निम्न शब्दों में कौन बहुव्रीहि समास का उदाहरण नहीं है?
(a) चक्रधर (b) दशानन
(c) महापुरुष (d) नीलकण्ठ

35. निम्न शब्दों में कौन अव्ययीभाव समास का उदाहरण नहीं है?
(a) आमरण (b) निःसन्देह
(c) शोकाकुल (d) भरसक

उत्तरमाला

1.	(d)	**2.**	(b)	**3.**	(a)	**4.**	(c)	**5.**	(a)	**6.**	(d)	**7.**	(c)	**8.**	(b)	**9.**	(c)	**10.**	(b)
11.	(b)	**12.**	(a)	**13.**	(a)	**14.**	(a)	**15.**	(a)	**16.**	(b)	**17.**	(a)	**18.**	(a)	**19.**	(b)	**20.**	(b)
21.	(c)	**22.**	(a)	**23.**	(b)	**24.**	(d)	**25.**	(d)	**26.**	(a)	**27.**	(c)	**28.**	(d)	**29.**	(b)	**30.**	(a)
31.	(c)	**32.**	(c)	**33.**	(d)	**34.**	(c)	**35.**	(c)										

अध्याय 8

रिक्त स्थानों की पूर्ति

रिक्त स्थानों की पूर्ति से सम्बन्धित प्रश्नों के माध्यम से प्राय: छात्रों की सामान्य समझ, व्याकरण तथा शब्द ज्ञान का पता लगाया जाता है। *सामान्यतया रिक्त स्थान की पूर्ति हेतु दो प्रकार से प्रश्न पूछे जाते हैं*

वाक्य पूर्ति पर आधारित प्रश्न वाक्य पूर्ति से सम्बन्धित प्रश्नों में एक वाक्य दिया रहता है जोकि अपूर्ण स्थिति में होता है। इस अपूर्ण वाक्य को उचित शब्दों के चयन से शुद्ध एवं अर्थपूर्ण बनाना होता है।

✓ **उदाहरण 1.** प्रत्येक राष्ट्र की अपनी एक ..... होती है।
(a) वेशभूषा (b) कल्पना (c) राष्ट्रभाषा (d) राज्यभाषा

हल (c)

व्याख्या चूँकि हर राष्ट्र के लिए राष्ट्रभाषा का होना अनिवार्य है इसलिए उपरोक्त चारों विकल्पों में से 'राष्ट्रभाषा' सही विकल्प है।

अनुच्छेद पूर्ति पर आधारित प्रश्न इस प्रकार के प्रश्नों में एक गद्यांश दिया जाता है तथा आवश्यकतानुसार कुछ खाली स्थानों को छोड़ दिया जाता है। अस्थायी रूप से खाली स्थानों को कुछ अंकों द्वारा भर दिया जाता है तथा उत्तर के लिए उस अंक से सम्बन्धित चार विकल्प दिए जाते हैं। अंक के उसी विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर क्रमश: पूरे गद्यांश को स्थायी रूप से भरना होता है।

निर्देश (उदाहरण 2-4) *निम्नलिखित अनुच्छेद में से रिक्त स्थानों की पूर्ति उनके सम्मुख अंकित विकल्पों में से सही विकल्प छाँट कर कीजिए।*

मेरे भारत **(2)** में अनेक धर्मों के लोग रहते हैं। इनमें आपसी प्रेम और भाईचारे की भावना है। देश के **(3)** राज्यों में वेशभूषा, भाषा, खानपान आदि में भिन्नता पाई जाती है। मेरे देश की **(4)** प्रसिद्ध है। देश में अनेक महापुरुषों ने जन्म लेकर शान्ति का सन्देश दिया है। वहाँ की प्राकृतिक शोभा देखते ही बनती है। विश्व के लोग यहाँ आने को तरसते हैं। मेरा भारत महान् है।

2. (a) देश (b) कक्षा (c) शहर (d) संगठन

हल (a)

3. (a) सुन्दर (b) गन्दे (c) मेरे (d) विभिन्न

हल (d)

4. (a) शान्ति प्रियता (b) मनुष्य
(c) नागरिक (d) लोग

हल (a)